Bhartiya Shodh Patrika

Volume-6, Issue-3 Quarterly (July 2025 to Sep. 2025) ISSN- 2582-6824

सामाजिक व आर्थिक स्थिति में स्त्री पुरूष अनुपात का अहम योगदान

डा0 सालिक सिंह
भूगोल विभाग
महर्षि सूचना प्रोधोगिकी वि0 वि0 लखनऊ

शोध सारांश-

किसी जिले की सामाजिक व आर्थिक स्थिति में स्त्री पुरूष अनुपात का अहम योगदान होता है स्त्री-पुरूष के अनुपात की माप को लिंगानुपात द्वारा व्यक्त किया जाता है। लिंगानुपात का तात्पर्य जनसंख्या में समस्त आयु वर्ग के अन्तर्गत स्त्री - पुरूष का अनुपात लिंगानुपात कहलाता है। इसका प्रभाव जनसंख्या वृद्धि, विवाह दर, तथा व्यवसायिक संरचना एवं जनांकिकीय पर भी पड़ता है। फ्रेकिलिन के अनुसार यह किसी भी क्षेत्र विशेष के विष्लेशषण के लिए लाभकारी यंत्र है सामान्यतः लिंगानुपात तीन प्रकार के होते है। प्राथमिक दिव्तीयक एवं तृतीयक लिंगानुपात,

भारत देश में जनगणना के समय लिंगानुपात को दो वर्गो में रखा गया है। प्रथम सामान्य लिंगानुपात तथा दूसरा 0 से 06 आयु वर्ग में शिशु का लिंगानुताप प्रस्तुत शोध पत्र में सीतापुर जनपद की समस्त तहसीलों के लिंगानुपात का अध्ययन किया गया है। शिशु लिंगानुपात में 0 से 06 वर्ष की आयु तक के शिशुओं का अध्ययन किया जाता है। भारत में लिंगानुपात की गणना प्रतिहजार पुरूष में स्त्री संख्या के अनुपात में किया जाता है ।

तहसीलवार नगरीय शिशु लिंगानुपात की तुलना में ग्रामीण शिशु लिंगानुपात अधिक है । जिले की समस्त तहसीलों में लिंगानुपात में असमनताएं पाई गई है। जिसमें सर्वाधिक कुल ग्रामीण लिंगानुपात बिसवां तहसील में क्रमशः 946 व 947 है जबकि सबसे कम कुल एवं ग्रामीण लिंगानुपात मिश्रिख तहसील में 915 व 916 उपलब्ध है । नगरीय शिशु लिंगानुपात में सबसे अधिक लहरपुर तहसील में 956 तथा सबसे कम सिधौली तहसील में 880 प्राप्त होता है। नगरीय एवम ग्रामीण शिशु लिंगानुपात में दशकीय वृद्धि में भी भिन्नताए मिलती है जिसमें दो तहसीलों मिश्रिख एवं महमूदाबाद में लिंगानुपात में वृद्धि एवं चार तहसीलों के लिंगानुपात में नकारात्मक दशकीय वृद्धि प्राप्त होती है जो भविष्य की समस्या को इंगित करता है।

अध्ययन क्षेत्र- प्रस्तुत शोध पत्र का अध्ययन क्षेत्र सीतापुर जनपद है। जिसका सीमाकंन उत्तर में लखीमपुर खीरी दक्षिण में हरदोई व पूर्व में बहराइच पश्चिम में शाहजहांपुर जनपद स्थित है। इसका अक्षांशीय विस्तार लखनऊ के उत्तर में 27.6 ग्री से 27.54 ग्री अक्षांश और लखनऊ के पूर्व में 80.18 ग्री और 81.24 ग्री अक्षांश के बीच है। अध्ययन क्षेत्र 5743 वर्गकिलोमीटर क्षेत्र में ैला हुआ है । इसकी सागर तल से ऊचाई 138 मीटर है। इसकी सामान्य ढाल उत्तर से पूर्व की ओर है सम्पूर्ण जनपद में सघन आबादी निवास क्षेत्र है। जिसका जनघनत्व 781 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है।

अध्ययन का उद्देश्य- प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य अध्ययन क्षेत्र के शिशु लिंगानुपात का भविष्य में क्या स्वरूप होगा। लगातार घटता हुआ शिशु लिंगानुपात से विभिन्न समस्यायें उत्पन्न हो सकती है । जिससे क्षेत्र के

सामाजिक, आर्थिक सांस्कृतिक क्रिया कलाप प्रभावित होगे। और जनपद के सतत विकास में बाधाएं उत्पन्न करेगें।

आंकडों का स्त्रोत एवं विधि तंत्र- प्रस्तुत शोध पत्र मुख्यतयः द्वितीय आंकडों पर आधारित है । शिशु लिंगानुपात के समस्त आंकडे जनगणना हस्त पुस्तिका सीतापुर 2001 व 2011 से प्राप्त किए गये है। जिला जनगणना हस्त पुस्तिका से प्राप्त आंकडों के आधार पर समस्त तहसीलों के शिशु लिंगानुपात को प्रतिहजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप में आंकलन किया गया है। शिशु लिंगानुपात के सुस्पष्ट स्थानिक एवं कालिक विश्लेषण के लिए मनोरेखो, आरेखों व आनुभविक विधि का प्रयोग करते हुए उनका परस्पर तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

लिंगानुपात की प्रवृत्ति- सीतापुर जनपद की समस्त तहसीलों के कार्यात्मक विशेषताओं के अध्ययन से ज्ञात होता है । कि सीतापुर जनपद की सभी तहसीलों में नगरीय क्रिया कलाप अल्प विकसित अवस्था में है । लस्वरूप यह तहसीले वर्तमान में ग्रामीण स्वरूप को अपनाए हुए है। इस प्रकार 2001 व 2011 की जनगणना में जनपद का कुल शिशु, ग्रामीण एवं नगरीय लिंगानुपात वर्ष 2001 से कम रहा है परिणाम स्वरूप वर्ष 2011 में छः तहसीलों में से 3 तहसीलों लहरपुर, बिसवां, महमूदाबाद का ग्रामीण लिंगानुपात जिले के औसत ग्रामीण शिशु लिंगानुपात से अधिक रहा है। जबकि सिधौली, मिश्रिख, सीतापुर व महमूदाबाद तहसील का लिंगानुपात औसत से कम है। तथा नगरीय शिशु लिंगानुपात में से दो तहसीलों लहरपुर, महमूदाबाद का नगरीय शिशु लिंगानुपात औसत नगरीय शिशु लिंगानुपात से अधिक व मिश्रिख, सीतापुर व सिधौली

तहसील के नगरीय शिशु लिंगानुपात से कम है तथा बिसवां तहसील का नगरीय शिशु लिंगानुपात जिले के औसत नगरीय शिशु लिंगानुपात के समान है।

शिशु लिंगानुपात- भारतीय जनगणना में शिशु लिंगानुपात की गणना करने के लिए 0 से 06 वर्ष की आयु के शिशुओं को शामिल किया गया है सामान्यतः लिंगानुपात तीन प्राकर के होते है।

प्राथमिक लिंगानुपात- यह गर्भधारण करने के समय के लिंगानुपात को व्यक्त करता है। चिकित्या वैज्ञानिकों के अनुसार स्त्री भ्रूण की अपेक्षा पुरूष भ्रूण संख्या अधिक होती है । लेकिन जन्म के पूर्व स्त्री भ्रूण की तुलना में पुरूष भ्रूण अत्यधिक खण्ित हो जाने के उपरान्त जन्म के समय स्त्री शिशु की अपेक्षा पुरूष शिशु अधिक संख्या में उत्पन्न होते है।

दिव्तीयक लिंगानुपात- शिशु जन्म के समय प्राप्त लिंगानुपात को दिव्तीयक लिंगानुपात कहते है। सामान्यतः हमारे समाज में स्त्री शिशु की तुलना में पुरूष शिशु अधिक उत्पन्न होते है ।शिशु जन्म के समय का लिंगानुपात क्षेत्र जिला, राज्य व देश को भिन्न भिन्न प्राप्त होता है।

तृतीयक लिंगानुपात- जनगणना के समय प्राप्त किये जाने वाले लिंगानुपात को तृतीयक लिंगानुपात कहते है। इस लिंगानुपात में आयु को आधार मान कर लिंगानुपात की गणना की जाती है। शिशु लिंगानुपात के रूप में 0 से 06 वर्ष आयु के शिशुओं का लिंगानुपात ज्ञात किया जाता है।

शोध पत्र के शोध क्षेत्र सीतापुर जनपद में 0 से 06 वर्श के शिशु लिंगानुपात में का□ी असमानताएं प्राप्त की गई है। जिसको आंक□ों के माध्यम से व्यक्त किया गया है।

तालिका सं0 01

सीतापुर जनपद में तहसीलवार 0 से 06 वर्ष के शिशुओं का लिंगानुपात

क्रमांक	तहसील	कुल शिशु लिंगानुपात	कुल ग्रामीण शिशु लिंगानुपात	कुल नगरीय शिशु लिंगानुपात	ग्रामीण एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात में अन्तर
01	**मिश्रिख**	915	916	888	-28
02	**सीतापुर**	916	917	911	-06
03	**लहरपुर**	937	934	956	+22
04	**बिसवां**	946	947	922	-25
05	**महमूदाबाद**	942	943	937	-06
06	**सिधौली**	930	930	880	-48
	कुल योग	930	930	922	-08

तालिका संख्या 1 में तहसीलवार 0 से 06 वर्ष आयु के शिशुओं की संख्या को दिखया गया है । इसमें प्रति हजार पुरूष शिशओ की तुलना में स्त्री शिशुओं की संख्या को दर्शाया गया है ।इसमें तहसीलवार कुल शिशु लिंगानुपात के साथ साथ ग्रामीण नगरीय शिशु लिंगानुपात को भी प्रदर्शित किया गया है। जिसमें सबसे अधिक कुल शिशु लिंगानुपात तहसील बिसवां में 946 है जबकि सबसे न्यूनतम कुल शिशु लिंगानुपात मिश्रिख तहसील में 915 प्राप्त होता है अन्य तहसीलों में कुल शिशु लिंगानुपात सीतापुर सदर तहसील में 916 सिधौली तहसील में 926, लहरपुर तहसील में 937 एवं महमूदाबाद तहसील में 942 कुल शिशु लिंगानुपात प्राप्त होता है। यहां पर जिले के औसत कुल शिशु लिंगानुपात 930 से जनपद की तीन तहसीलों लहरपुर, बिसवां, एवं महमूदाबाद का कुल शिशु लिंगानुपात अधिक जबकि शेष तीन तहसीलों मिश्रिख सीतापुर एवं सिधौली का कुल शिशु लिंगानुपात न्यूनतम प्राप्त होता है।

ग्रामीण एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात- शोध पत्र में सीतापुर जनपद में स्थित समस्त 6 तहसीलों में 0 से 06 वर्ष आयु के शिशुओं का ग्रामीण एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात में काी भिन्नताए प्राप्त होती है। प्रायः जनपद की समस्त तहसीलों में पुरूष शिशु की तुलना में स्त्री शिशुओं की कमी प्राप्त होती है तालिका सं0 01 के अनुसार सर्वाधिक ग्रामीण शिशु लिंगानुपात 947 तहसील बिसवां में प्राप्त होता है। जबकि सबसे न्यूनतम ग्रामीण शिशु लिंगानुपात 916 मिश्रिख तहसील का मिलता है तथा दूसरी तर नगरीय शिशु लिंगानुपात में सर्वाधिक नगरीय शिशु लिंगानुपात 956 लहरपुर तहसील में एवं सबसे कम नगरीय शिशु लिंगानुपात 880 सिधौली तहसील का है । तहसीलवार ग्रामीण एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात अन्तर में सिधौली तहसील में -48 जबकि सबसे न्यूनतम सीतापुर एवं महमूदाबाद तहसील में -06 प्राप्त होता है । तहसीलवार ग्रामीण्र एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात में मिश्रिख तहसील में ग्रामीण 917 एवं नगरीय 911 लहरपुर तहसील में 934 एवं नगरीय 956 तहसील बिसवां में ग्रामीण 947 एवं नगरीय 922 तहसील महमूदाबाद में ग्रामीण शिशु लिंगानुपात 943 एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात 937 और तहसील सिधौली में ग्रामीण शिशु लिंगानुपात 928 एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात 880 उपलब्ध होता है।

ग्रामीण-नगरीय शिशु लिंगानुपात में अन्तर- अध्ययन क्षेत्र के कुछ तहसालों में शिशु लिंगानुपात अधिक प्राप्त होता है । जबकि कुछ तहसीलों में शिशु लिंगानुपात कम पाया जाता है। जिले में अत्यधिक शिशु लिंगानुपात वाली मात्र लहरपुर तहसील है । जबकि न्यनूतम शिशु लिंगानुपात वाली पांच तहसील है जो इस प्रकार है।

1-**उच्च नगरीय शिशु लिंगानुपात वाली तहसीले-** इसके अन्तर्गत सीतापुर जनपद की लहरपुर तहसील है। जिसका नगरीय शिशु लिंगानुपात +22 होता है। अर्थात यंहा पर ग्रामीण शिशु लिंगानुपात 22 स्त्री शिशु अधिक प्राप्त होते है । जो कुल तहसीलों का 16.67 प्रतिशत है।

2-**न्यूनतम नगरीय शिशु लिंगानुपात वाली तहसीले -** न्यूनतम नगरीय शिशु लिंगानुपात के अन्तर्गत सीतापुर जनपद की पांच तहसीले शामिल है। जो कुल तहसीलों का 83.33 प्रतिशत है। इसमें सिधौली तहसील में 48 मिश्रिख तहसील में 28 बिसवां तहसील में 25 एवं सीतापुर व महमूदाबाद तहसील में 06 नगरीय शिशु लिंगानुपात में ऋणात्मक अन्तर पाया जाता है इन तहसीलों में पुरूष शिशु की तुलना में स्त्री शिशु की संख्या काी कम मात्रा में प्राप्त होती है। जिसमें सबसे अधिक नगरीय शिशु लिंगानुपात में ऋणात्मक अन्तर सिधौली तहसील में जबकि सबसे कम

ऋणात्मक शिशु लिंगानुपात तहसील सीतापुर एवं महमूदाबाद में 06,06 प्राप्त होता है।

शिशु लिंगानुपात में दशकीय वृद्धि 2001-2011- भारत देश में धार्मिक क्रिया कलापों सामाजिक मान्यताओं आर्थिक लाभ एवं वृद्ध माता-पिता की देखभाल करने के लिए पुत्र प्राप्ति को प्राथमिकता दी जाती है। जिसके परिणाम स्वरूप शिशु लिंगानुपात निरन्तर गिरता जा रहा है।

वर्ष 2001 एवं 2011 के दशक में जनपद सीतापुर की अधिकांश तहसीलों के नगरीय शिशु लिंगानुपात में पिछले दशक 2001 की तुलना में नगरीय एवं ग्रामीण शिशु लिंगानुपात दोनों में पिछले दशक 2001 की तुलना में

वर्तमान 2011 में शिशु लिंगानुपात में गिरावट दर्ज की गई है । इसी प्रकार दोनों दशकों में तहसील महमूदाबाद में नगरीय शिशु लिंगानुपात से ग्रामीण शिशु लिंगानुपात अंधिक रहा है। जब कि ग्रामीण शिशु लिंगानुपात मिश्रिख एवं महमूदाबाद तहसील का बढा हुआ है शेष अन्य तहसीलों के ग्रामीण लिंगानुपात में गिरावट प्राप्त होती है। इसी प्रकार नगरीय शिशु लिंगानुपात सीतापुर एवं महमूदाबाद तहसील मे वृद्धि प्राप्त होती है । तथा अन्य तहसीलों के नगरीय शिशु लिंगानुपात में कमी दर्ज की गई है । सैधांतिक रूप में ग्रामीण क्षेत्रों की अपेक्षा नगरीय क्षेत्रो में शिशु लिंगानुपात अधिक होना चाहिए क्योंकि नगरीय क्षेत्रों में अधिक चिकित्सकीय सुविधाएं एवं शिक्षित व्यक्ति निवास करते है। इसके विपरीत 2001 की तुलना में 2011 में जनपद की समस्त तहसीलों में नगरीय शिशु लिंगानुपात में गिरावट दर्ज की गई है इसका मुख्य कारण जन्म□ के पूर्व सोनाग्रा□ी द्वारा भ्रूण की पहचान करना है।

1- ग्रामीण नगरीय शिशु लिंगानुपात में सकारात्मक वृद्धि वाली तहसीले- शिशु लिंगानुपात में दशकीय वृद्धि में जनपद की दो तहसीलों मिश्रिख एवं महमूदबाद के ग्रामीण एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात में सकारात्मक वृद्धि प्राप्त होती है। जनपद की इन दो तहसीलों में पुरूष शिशु की तुलना में स्त्री शिशु अधिक प्राप्त हुए है जिसमें तहसील मिश्रिख में 2001 में ग्रामीण शिशु लिंगानुपात 905 से बढकर 2011 में 916 प्राप्त होता है । यहां पर लिंगानुपात में 08 स्त्री शिशु की वृद्धि प्राप्त होती है। महमूदाबाद तहसील में ग्रामीण एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात में पिछले दशक की तुलना में वर्तमान दशक में वृद्धि दर्ज की गयी है। महमूदाबाद तहसील के ग्रामीण शिशु लिंगानुपात 937 से बढकर 943 तथा नगरीय शिशु लिंगानुपात 915 से बढकर 937 हो गया है। अर्थात ग्रामीण शिशु

लिंगानुपात में 06 स्त्री शिशु की वृद्धि व नगरीय शिशु लिंगानुपात 22 स्त्री शिशुओं की वृद्धि प्राप्त होती है। इस वर्ग समूह के अध्ययन क्षेत्र के कुल 33.4 प्रतिशत तहसीलों का क्षेत्र सम्मिलित है ।जहां पर नगरीय एवं ग्रामीण शिशु लिंगानुपात में सकारात्मक दशकीय वृद्धि उपलब्ध होती है।

2-ग्रामीण एवं नगरीय शिशु लिंगानुपात में नकारात्मक वृद्धि वाली तहसीले- नकारात्मक शिशु लिंगानुपात में सीतापुर जनपद में स्थित चार तहसीले सीतापुर, लहरपुर बिसवां सिधौली शामिल है । यहां पर ग्रामीण नगरीय शिशु लिंगानुपात में दशकीय वृद्धि नकारात्मक प्राप्त होती है। ग्रामीण शिशु लिंगानुपात में सर्वाधिक नकारात्मक वृद्धि लहरपुर तहसील में 22 स्त्री शिशु एवं सबसे कम नकारात्मक वृद्धि सिधौली तहसील में 09 स्त्री शिशु के रूप में प्राप्त होती है।

जनपद सीतापुर में ग्रामीण शिशु लिंगानुपात में नकारात्मक वृद्धि तहसीलवार दशक 2001 की तुलना में वर्तमान दशक 2011 में निम्न प्रकार होती है जो इस प्रकार है सीतापुर सदर तहसील में 927 से घटकर 917 यहां पर 10 स्त्री शिशु की कमी, लहरपुर तहसील में 956 से घटकर 934 अर्थात 22 स्त्री शिशु की कमी, बिसवा तहसील में 961 से घटकर 947 अर्थात 14 स्त्री शिशु की कमी एवं सिधौली तहसील में 937 से घटकर से घटकर 928 अर्थात 9 स्त्री शिशुओ की कमी प्राप्त होती है। इसी प्रकार तहसीलवार नगरीय शिशु लिंगानुपात में क्रमशः तहसील मिश्रिख में से पिछले दशक 2001 की तुलना में 5 स्त्री शिशु की कमी, बिसवां तहसील में 28 स्त्री शिशओं की कमी, लहरपुर में 29 स्त्री शिशुओं की कमी एवं सिधौली तहसील में 58 स्त्री शिशुओ की नगरीय शिशु लिंगानुपात में कमी प्राप्त होती है। नगरीय शिशु लिंगानुपात

में 2001 की अपेक्षा 2011 में सर्वाधिक नगरीय शिशु लिंगानुपात में नकारात्मक वृद्धि सिधौली तहसील 58 स्त्री शिशु एवं सबसे कम मिश्रिख तहसील में 5 स्त्री शिशु प्राप्त होती है। जनपद सीतापुर में ग्रामीण-नगरीय शिशु लिंगानुपात में नकारात्मक वृद्धि वाली तहसीलों का 66.6 प्रतिशत तहसीले शामिल है दशकीय अनुसार शिशु लिंगानुपात में नकारात्मक वृद्धि भविष्य में एक जटिल समस्या के रूप में उत्पन्न हो सकती है।

निष्कर्ष- सीतापुर जनपद दशक 2001 की तुलना वर्तमान दशक 2011 में तहसील मिश्रिख एवं महमूदाबाद का ग्रामीण शिशु लिंगानुपात में बढोत्तरी प्राप्त होती है । जबकि शेष चार तहसीलों सीतापुर लहरपुर, बिसवां व सिधौली में ग्रामीण शिशु लिंगानुपात में कमी प्राप्त होती है। इसी प्रकार नगरीय शिशु लिंगानुपात में कमी प्राप्त है इसी प्रकार नगरीय शिशु लिंगानुपात में भी सीतापुर तहसील, एवं महमूदाबाद तहसील, में वृद्धि जबकि मिश्रिख लहरपुर, बिसवां, सिधौली में कमी दर्ज की गई है।

अतः जनपद में लगातार घटते हुए लिंगानुपात को बढाने की अत्यन्त आवश्यकता है । यदि इस प्रकार ध्यान न दिया गया तो यह समाज व देश के लिए एक गम्भीर समस्या बन सकती है। पुरूष प्रधान देश होने के कारण चिकित्सकीय सुविधाओं का दुरूप्रयोंग करके जन्म के पूर्व भ्रूण का लिंग परीक्षण के कारण निरन्तर शिशु लिंगानुपात में कमी दर्ज की गयी है। अध्ययन क्षेत्र के शिशु लिंगानुपात में समाज को जागरूक करने के साथ साथ बालिका शिशु के पालन पोषण एवं उनके देखभाल की अच्छी व्यवस्था करनी होगी। तथा समाज में व्याप्त कुरूतियों व दहेज प्रथा को समाप्त करने की आवश्यकता है।

सन्दर्भग्रन्थ-

1- जिला जनगणना हस्त पुस्तिका 2001 व 2011
2- शर्मा एन- उत्तर प्रदेश की भौगोलिक समीक्षा बंसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर
3- भारत की जनगणना सार 2001 व 2011- उ0 प्र0 श्रंखला
4- चौहान पी0 आर0 - भारत का बृहद भूगोल बंसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर
5- चांदना आर0 सी0-जनसंख्या भूगोल कल्याणी प्रकाशन, नयी दिल्ली 2022
6- बंसल सुरेश चन्द्र 2022 नगरीय भूगोल मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ
7- मौर्य एस0 □ी0 2022 जनसंख्या भूगोल शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद